एक नजर में

सद्भावना के आमने सामने कार्यक्रम में सुनाए संस्मरण, किया सम्मान

खंडवा। सद्भावना मंच कार्यालय पर आज आमने–सामने कार्यक्रम में मुंबई में सोनी टीवी इंडिया गॉट टैलेंट कार्यक्रम में प्रशंसनीय एवं हैरत अंग्रेज प्रदर्शन करने एवं चयन पर प्रमोद पटेल एवं कुमारी श्रुति उपमन्यु का संस्थापक प्रमोद जैन की अध्यक्षता में सम्मान किया गया। प्रतियोगियों से उनके अनुभव एवं रोचक प्रश्न भी पूछे गए। मलखंब गुरु दयाराम पटेल ने अपने संस्मरण सुनाते हुए कहा कि 1999 में पहली बार नगर निगम प्रांगण में कार्यक्रम किया। बालक बालिकाओं के रुचि लेने पर काफी संघर्ष के बाद इस खेल में ऊंचाइयां मिली। आपने कहा मलखंभ 121 देशों में खेला जाने वाला अंतरराष्ट्रीय खेल बन चुका है। वहीं प्रतिभागी प्रमोद पटेल ने कहा कि मलाइका अरोड़ा, शान, नवज्योत सिंह सिद्धू आदि ने हमारा उत्साह बढ़ाया। श्रुति ने कहा मलखंभ के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर भी जाया जा सकता है। अनीता धोत्रे ने कहा कि लोगों को सफलता तो नजर आती है लेकिन इन प्रशिक्षकों के पांव के छाले नजर नहीं आते। इस अवसर पर मंच संस्थापक प्रमोद जैन, उपाध्यक्ष पूर्व डीएसपी आनंद तोमर, डॉ ज च चौरे, सुरेन्द्र गीते, गणेश भावसार, त्रिलोक चौधरी, नितिन मुदलियार, कमल नागपाल, एन के दवे, अर्जुन बुंदेला, ललित चौरे, राधेश्याम शाक्य, अनिता धोत्रे, आकांक्षा सिसोदिया, सुनील सोमानी, महेश मूलचंदानी, करण लखोरे, कैलाश पटेल आदि उपस्थित रहे। श्री पटेल ने सद्भावना मंच का आभार व्यक्त किया।

पॉक्सो एक्ट पर सामाजिक जागरूकता योजना एवं बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ अभियान की कार्यशाला

खंडवा। महिला एवं बाल विकास विभाग, खंडवा द्वारा सामाजिक जागरूकता योजना एवं बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत पॉक्सो एक्ट विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किशोर कुमार सभागार में किया गया। समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि इस अवसर पर खंडवा जिले के छात्रावास अधीक्षक, शिक्षकगण, बाल देखरेख संस्थाओं के प्रमुख तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के सभी परियोजना अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रवीण शर्मा अध्यक्ष न्यायपीठ बाल कल्याण समिति खंडवा प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट समकक्ष रहे। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता प्रशासन का पूरक नहीं, बल्कि उसकी आत्मा है। छात्रावास अधीक्षक केवल व्यवस्थापक नहीं, बल्कि बाल सुरक्षा और आत्मविश्वास के संरक्षक होते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चे केवल भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान समाज की सजीव धड़कन हैं। बाल अधिकारों की रक्षा प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक एवं संवैधानिक दायित्व है। श्री शर्मा ने छात्रावासों में बाल सुरक्षा नीति लागू करने, साप्ताहिक बाल संवाद बैठकें आयोजित करने, सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था और बाल हेल्पलाइन 1098 की जानकारी प्रमुख रूप से प्रदर्शित करने की आवश्यकता बताई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से दिलावर सिंह ने पॉक्सो एक्ट के कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी और कहा कि यह कानून बच्चों की गरिमा और सुरक्षा के लिए एक सशक्त ढाल है। समिति अध्यक्ष मोना दफ़्तरी ने आंतरिक परिवाद समिति के गठन, उद्देश्य और प्रक्रिया की जानकारी दी तथा प्रत्येक संस्था में इसके गठन की अनिवार्यता पर बल दिया। सुनील जैन ने बताया कि आयोजित कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास अधिकारी रत्ना शर्मा, सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग संतोष शुक्ला, बाल कल्याण समिति खंडवा के सदस्य रुचि पाटिल, कविता पटेल एवं स्वप्निल जैन, किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य एडवोकेट पन्ना गुप्ता एवं कल्पना जायसवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन महेश भमोरे ने किया एवं सहयोग शीतल शर्मा द्वारा किया गया। कार्यशाला के समापन पर सभी अधिकारियों एवं अधीक्षकों ने संकल्प लिया कि हम प्रत्येक बालक की सुरक्षा, सम्मान और विकास के लिए संवेदनशीलता और समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

महिलाओं की भूमिका, योगदान और चुनौतियों पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा रघुवंशी ने रखे विचार

खंडवा। पचमढ़ी में जारी मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष संगठन सृजन – प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन समाज में महिलाओं की भूमिका, योगदान, पहचान और समकालीन चुनौतियों पर एक महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किया गया। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रवक्ता प्रेमांशु जैन ने बताया कि इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुश्री प्रतिभा रघुवंशी ने समाज मे महिलाओ की भूमिका विषय पर विस्तारपूर्वक अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के दौर में महिलाएँ समाज के हर क्षेत्र में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही हैं — चाहे वह राजनीति हो, शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन या सामाजिक सेवा। उन्होंने कहा कि महिलाओं का योगदान केवल परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। रघुवंशी ने यह भी कहा कि समकालीन समय में महिलाएँ अनेक सामाजिक और मानसिक चुनौतियों का सामना कर रही हैं, जिन्हें पहचानने और समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण को केवल नारे तक सीमित न रखकर व्यवहारिक रूप से लागू करने का आह्वान किया। महिला नेतृत्व को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ सत्र का समापन हुआ।

भंडारे में हजारों भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की

खंडवा। सिंधी समाज के परम पूज्यनीय बाबा श्यामदास साहेब जी की 26 वीं पुण्यतिथि स्थानीय स्वामी नारायण नगर स्थित सनातन मंदिर तीरथ धाम में हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाई गई। आज समापन दिवस पर आम भंडारे का भी आयोजन किया गया। बाबा नारायणदास सेवा मंडल के प्रवक्ता कमल नागपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि 3 नवंबर से त्रिदिवसीय धार्मिक कार्यक्रम प्रारंभ हुए जो बुधवार समाप्त हुए। तीरथ धाम सनातन मंदिर में उपस्थित सैकड़ों श्रद्धालुओं को बाबा स्वरूपदास जी ने संबोधित करते हुए बाबा जी का गुणगान किया और उनके संस्मरण सुनाए। बुधवार को समापन पर आम भंडारा आयोजित किया गया9। बड़ी संख्या में मातृशक्ति, युवा तरुणाई और बालक बालिकाओं ने बाबा की प्रसादी ग्रहण की और सेवाकार्य में सहभागिता की। बाबा नारायणदास सेवा मंडल की ओर से भाई देवीदास, भाई हरनामदास ने सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

छनेरा में संत बुखारदास बाबा मेले का आयोजन

समाधि पर निशान, महाआरती, पूजन के साथ भंडारा होगा

नवभारत न्यूज

नया हरसूद। कार्तिक पूर्णिमा पर इस वर्ष भी छनेरा में परमहंस संत बुखारदास बाबा तपोभूमि पर मेला शुरू हो गया हैं। महंत अमीरदास बाबा एवं बाहर के साधु संतों, महंतों भक्तगणों की मौजूदगी में भजन कीर्तन करते निशान चढ़ाए जा रहे है।

भक्तगण दूर दराज गावो व शहरों से नंगे पैर पैदल चलकर भजन कीर्तन करते अपने अपने निशान लाते हैं। श्रद्धा भक्ति के साथ चढ़ाते है। अपनी मन्नत पूरी करते हैं। नगर पंचायत छनेरा परिषद द्वारा संत की गादी पर चादर चढ़ाकर उपस्थित महंतों, संतों का स्वागत सम्मान कर गुरुप्रसादी का वितरण एवं भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन।

समाधि स्थल पूर्व में हत्यारी बहेड़ी कहलाती थी

समाधि स्थल के महंत अमीरदास बाबा ने संत बुखारदास बाबा के जीवन से जुड़ी घटनाओं के बारे में बताया कि वर्तमान में जो समाधि स्थल है। यह पूर्व में हत्यारी बहेड़ी के नाम से जाना जाता था। एक समय सौ गायों का काफिला रात्रि विश्राम के लिए यहां रुका। अचानक कुछ देर बाद सारी गाएं मर गईं। तभी से इस स्थल को लोग हत्यारी बहेड़ी के नाम से पुकारने लगे।

पहाड़ी पर ही संत मनरंगीर ने इन्हें रोका

घूमते घूमते चारखेड़ा के मनरंगागिर स्वामी के आश्रम पर जा रहे थे कि उन्हें रास्ते में कालूदास बाबा एवं अजुध्या बाई मिल गए। बाबा ने उन्होंने आगे जाने से मना कर दिया। कहा कि नाना नानी चलो म्हारा साथ और दोनों को साथ लेकर ग्राम छनेरा में पूर्व दिशा स्थित हत्यारी बहेड़ी स्थल पर जाकर उपदेश और कहा कि याही बैठकर गुरु महाराज की पूजा अर्चना एवं भजन कीर्तन करो।

मेले का यह 75 वां साल

संत बुखारदास बाबा का मेला 1950 से कार्तिक सुदी पूर्णिमा को प्रथम बार आयोजित किया गया। प्रारंभ मेले के अध्यक्ष एवं गादी के प्रथम महंत कालूदास बाबा ही थे। मेले लगाने में स्व.सरदार सिंह पवार, जोशी बाबा, भैय्यालाल सेठ, सुंदरलाल सेठ, रामगोपाल पाराशर, पंडित गौरीशंकर भारद्वाज ने भरपूर सहयोग किया।

ऐसी जागृत हुई तपोभूमि

गुरु महाराज भरपूर भंडारा देंगे। कभी किसी के आगे हाथ मत फैलाना। यदि कुछ खाने को कुछ नहीं मिले तो अखाड़े की भभूत घोलकर पी लेना। कालिदास बाबा ने गुरु के शब्दों का अक्षरशः पालन किया। भजन कीर्तन के प्रताप से यह आश्रम को जागृत किया।

कालूदास बाबा की निष्ठा देखिए

यहां प्रारंभ में एक छोटी सी झोपडी पडी थी, कालूदास बाबा ने अखाड़ा स्थल पर एक मकान बनाया। यही स्थान आगे चलकर बुखारदास बाबा की तपोभूमि बन गई। इसी भूमि पर 1948 में बाबा ने समाधि ले ली। कालूदास बाबा ने दो वर्ष बाद अपने हाथों की गोल्ड रिंग बेचकर पैसे जोड़कर खंडवा कलेक्टर से मेला उत्सव मनाने की अनुमति लाए।

1868 में जन्मे थे संत बुखारदास

संत बुखारदास बाबा का जन्म सन् 1868 में ग्राम संदलपुर जिला देवास में वैशाख की ग्यारस को सुंदर बाई पति परसराम के यहां जन्म लिया। बाबा 11साल की अल्प आयु में अपना घर छोड़कर भ्रमण पर निकल पड़े थे। मां नर्मदा की परिक्रमा की। कई तीर्थों स्थलों का दर्शन करते 1899 में छनेरा पहुंचे।

अमीरदास का ऐसे हुआ तिलक

वहीं कालूदास बाबा के समाधि होने पर संत महंतों ने मौजीराम बाबा को गादी का महंत का तिलक किया। सन 1992 में मौजीराम बाबा के समाधिस्थ होने के उपरांत उनके पुत्र अमीरदास को गादी का तृतीय महंत का तिलक किया गया। इस तरह आश्रम की महंत परम्परा चली आ रही है। बताया गया कि आज भी संत बुखारदास बाबा मेले में किसी न किसी रूप में जरूर आते है। मेले में बड़ी संख्या में मनोरंजन व खेल खिलौने, झूले, होटलें प्रसादी दुकानें बड़ी संख्या में लगती है।

बड़ी संख्या में आते हैं श्रद्धालु

दूर दूर शहरों व ग्रामों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त मेले में पहुंचकर संत की समाधि पर प्रसाद चढ़ाते हैं। अपनी मन्नतों का आशीर्वाद प्राप्त करते मनोकामना मांगते हैं, जिससे उनकी पूर्ण होती हे, ऐसा बाबा का चमत्कार है।

ठंडी हवाएं चलते ही निमाड़ में उभरने लगीं त्वचा संबंधी बीमारियां!

नवभारत न्यूज

खंडवा। निमाड़ में ठंडी हवाओं का दौरा शुरू हो गया है। गुलाबी ठंड असर दिखने लगी है। पूरे क्षेत्र में स्कीन वाली बीमारियों का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। इसके लिए सावधानी रखने की चिकित्सक सलाह दे रहे हैं।

फोड़े–फुंसी और त्वचा का फटना ही अब बीमारी नहीं है। कई गंभीर बीमारियां त्वचा से संबंधित हैं, जो ठंड के दिनों में उभरकर सामने आ रही हैं। निमाड़ क्षेत्र किसानों वाला है। त्वचा को नरम रखने के लिए इस पर तेलिया पदार्थ का लेप जरूरी है, ताकि ठंडी हवाएं नुकसान न पहुंचा सके।

एग्जिमा ठंड में बढ़ता है

डॉ. सुरेश बिरला, एमडी (स्किन) एवं लेज़र स्पेशलिस्ट ने सर्दियों में होने वाले आम त्वचा रोगों के बारे में बताया कि, एक्जिमा शुष्क, रूखी त्वचा, लालिमा और खुजली से जुड़ा एक आम रोग है। इसी तरह सोरायसिस एक ऑटोइम्यून बीमारी है, जो त्वचा पर मोटे, पपड़ीदार लाल धब्बे बनाती है, खासकर कोहनी, घुटनों और खोपड़ी पर होती है। ठंड में होंठों पर त्वचा की पतली परत होने के कारण ये आसानी से रूखे हो जाते हैं और फट सकते हैं।

ठंड में क्यों होती है त्वचा की समस्या?

ठंडे तापमान के कारण हाथ–पैरों की उंगलियों में रक्त प्रवाह कम हो जाता है, जिससे लाल या बैंगनी रंग के धब्बे और दर्द होता है। ठंडी हवा के संपर्क में आने से चेहरे और खुले हिस्सों की त्वचा में जलन और सूखापन हो सकता है। शीतपित्ती में कुछ बाहरी तत्वों के प्रति एलर्जिक प्रतिक्रिया के कारण त्वचा पर लाल, खुजलीदार दाने हो जाते हैं।

इन रोगों से बचाव और रोकथाम

त्वचा को नम बनाए रखने के लिए मॉइस्चराइज़र का उपयोग जरूरी है। खुले में जाने से पहले सनस्क्रीन और फेस क्रीम (मॉश्चराइज़र) का उपयोग करें, क्योंकि सर्दियों में भी सूरज की किरणें त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हैं। गर्म पानी से नहाने से बचें, क्योंकि इससे त्वचा और भी रूखी हो सकती है। इसके बजाय गुनगुने पानी का प्रयोग करें।

ठंड में त्वचा को ढककर रखें

कठोर क्लींजर और बॉडी वॉश का उपयोग न करें जिनमें अल्कोहल, पैराबेन या कृत्रिम सुगंध हो। त्वचा को बाहर निकलते समय ढककर रखना भी जरूरी है क्योंकि मालवा निमाड़ में कभी ठंड तो कभी गर्मी का एहसास होने लगता है ऐसे तापमान के चलते लोगों में त्वचा संबंधी रोग तेजी से हो रहे हैं इसका यही उपाय है कि त्वचा को ज्यादा ठंडी हवा के संपर्क में ना आने दें।

नगर परिषद मेला ग्राउंड पर करीब 7 करोड़ की लागत से स्टेडियम एवं दुकान का निर्माण कराएगी

नवभारत न्यूज

मून्दी। नगर परिषद की एक बैठक हुई इस बैठक में नगर परिषद में मेला ग्राउंड पर करीब 7 करोड़ की लागत से स्टेडियम एवं दुकान का निर्माण कराएगी। प्रमुख चौराहों पर सांकेतिक बोर्ड भी लगेंगे एवं खंडवा रोड स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय उद्यान में पंडित जी के प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी। बैठक में 37 प्रस्तावों पर चर्चा के लिए रखे गए थे।

इसमें संपत्ति कर दर वृद्धि बढ़ाने का प्रस्ताव फिलहाल नहीं लिया गया सभी प्रस्तवो को विचार कर स्वीकृति प्रदान की सादीपानी सीएमराइस विद्यालय परिसर में निकाय क्षेत्र के दोनों ओवरहेड टैंकों की बाउंड्री बाल भी कराई जाएगी। कुशा भाऊ ठाकरे बाल उद्यान की तार फेंसिंग हटाकर अलग डिजाइन का कार्य कराया जाएगा।

संत बुखार दास बाबा एवं गुलाब दास बाबा मेला वर्ष 2026 के आयोजन को लेकर मेला क्षेत्र में एवं राजस्व ठेको की नीलामी भी होगी। नगर परिषद द्वारा जो स्टेडियम का निर्माण कराया जाएगा आने वाले समय में स्टेडियम के अंदर ही मेला लगाया जाएगा। स्वामित्व की मंडी में नवनिर्मित एक दुकान को लीज पर दिया जाएगा विभिन्न वार्डों में सीसी रोड एवं नाली निर्माण को स्वीकृति प्रदान की गई। नगर परिषद के बकाया टैक्सो की वसूली में शक्ति से राशि वसूल की जाए इसके भी निर्देश दिए गए। पुराने थाने के पास में रोड के बाजू में जो मुख्य मार्गो से लगे हुए चबूतरोका निर्माण है उन्हें तोड़ा जाएगा ताकि आवा गमन में बाधक न बने। पुराने थाने के मुख्य गेट के आजू-बाजू के जो ओटले बने हुए हैं उन पर टीन शेड लगाकर दुकाने नीलम की जाएगी। निर्मित होने वालेस्टेडियम ग्राउंड क्षेत्र में उसके रखरखाव हेतु वहां दुकानों का निर्माण भी कराया जाएगा। बुखार दास बाबा मेले के दौरान स्टेडियम के अंदर ही मेला लगेगा।

इस बैठक में मांधाता विधायक नारायण पटेल, नगर परिषद अध्यक्ष ज्योति वाला राठौर, उपाध्यक्ष राजनारायण मंडलोई, सांसद प्रतिनिधि चंद्र मोहन राठौर एवं सीएमओ संजय जैन, पार्षद गण मौजूद थे।

राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम

नवभारत न्यूज

खण्डवा। भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय गीत %वंदे मातरम्% की 150 वीं वर्षगाँठ को देश भर में आगामी 1 वर्ष तक मनाया जाएगा। सरकार ने राष्ट्र गीत %वंदे मातरम्% की 150वीं वर्षगाँठ को 7 नवम्बर 2025 से 7 नवम्बर 2026 तक समारोहपूर्वक मनाने का निर्णय लिया है। %वंदे मातरम्% के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को देखते हुए वर्षभर विविध गतिविधियाँ 4 चरणों में आयोजित होंगी।

इसमें प्रथम चरण 7 से 14 नवम्बर को शुरू होगा, द्वितीय चरण 19 से 26 जनवरी 2026 (गणतंत्र दिवस), तृतीय 7 से 15 अगस्त 2026 (हर घर तिरंगा अभियान के साथ) तथा चतुर्थ चरण में 1 से 7 नवम्बर 2026 को समापन सप्ताह) में व्यापक रूप से आयोजित की जानी है।

इन आयोजनों में सभी स्तरों पर नागरिकों की सहभागिता के साथ–साथ विद्यालय और महाविद्यालय के छात्र–छात्राएँ, जनप्रतिनिधि, शासकीय अधिकारी–कर्मचारी, पुलिसकर्मियों, डॉक्टर्स, शिक्षकों, व्यवसायीगण एवं अन्य सभी प्रकार के सामाजिक संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

राज्य स्तरीय समारोह 7 नवम्बर को संस्कृति विभाग के द्वारा शौर्य स्मारक भोपाल में प्रातः 9.30 बजे आयोजित किया जाएगा तथा सभी जिला मुख्यालय, तहसील तथा विकासखण्ड मुख्यालय में 'वंदे मातरम्' का संपूर्ण गायन किया जाएगा।

इसके बाद प्रातः 10 बजे से नई दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम के सीधे प्रसारण के अवलोकन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। सभी शासकीय, अशासकीय, अर्द्ध–शासकीय विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालयों में भी 7 नवम्बर को यह कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' गायन को भव्य स्वरूप प्रदान करने के लिए पुलिस वैण्ड, स्कूल, महाविद्यालय, विश्वविद्यालयों के वैण्ड एवं स्थानीय वैण्ड की सहभागिता सुनिश्चित की जाये।

इसके तहत 8 नवम्बर को प्रातः 10 बजे पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जिला पंचायत, जनपद पंचायत एवं ग्राम पंचायतों में वंदे मातरम् गीत का गायन जनसहभागिता से पंचायत प्रतिनिधियों सहित कराया जाएगा। इसके बाद 10 नवम्बर को प्रातः 10 बजे नगरीय विकास एवं आवास विभाग के द्वारा सभी नगरीय निकायों में वंदे मातरम् गीत का गायन कराया जाएगा। कार्यक्रम का प्रचार–प्रसार सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से किया जायेगा।

इन आयोजनों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भाग लेने के लिए आवश्यक रूप से आमंत्रित किया जाएगा। प्रदेश के सभी जिलों में कलेक्टर द्वारा चयनित पर्यटन स्थलों पर वंदे मातरम् राष्ट्रगीत का गायन इस अवधि में कराया जाएगा। इन सभी आयोजनों के लिए नोडल विभाग संस्कृति विभाग रहेगा।

समापन — इंदिरा सागर पावर स्टेशन में सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2025

पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

नवभारत न्यूज

नर्मदानगर। एनएचडीसी लिमिटेड के इंदिरा सागर पावर स्टेशन में 27 अक्टूबर का आयोजन किया गया। इस दौरान परियोजना के सतर्कता विभाग के द्वारा विभिन्न गतिविधियों, प्रतियोगताओं का आयोजन किया गया। इस परियोजना में पदस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों ने अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित कर सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2025 में बड़े उल्लास से मनाया गया।

इस दौरान एनएचडीसी परिवार की महिलाए तथा केन्द्रीय विद्यालय, नर्मदानगर के विद्यार्थियों की सहभागिता सराहनीय रही। समापन पर को परिसर स्थित सामुदायिक भवन में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।

इस दौरान विजेताओं को परियोजना प्रमुख, अजीत कुमार द्वारा पुरस्कृत किया गया। उन्होंने कहा कि सतर्कता जागरूकता की आवश्यकता जीवन के सभी क्षेत्रों में है एवं हम सभी के प्रयास से ही संभव हो सकेगा। अतः सतर्कता हमारी साझा जिम्मदारी है।

समारोह में पिंकी कुमारी, अध्यक्षा लेडीज वेलफेयर एसोसिएशन एवं महाप्रबंधकगण, गोपाल खण्डेलवाल सपरिवार, एच.पी. सिंह एवं वरिष्ठ अधिकारिगण, कर्मचारिगण, परियोजना की महिलाए व बच्चें तथा केन्द्रीय विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित थे।

अन्त में जगनारायण टिकरिहा, परियोजना सतर्कता अधिकारी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।